सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 18 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 18 फरवरी, 2022
मूल्य ₹ 3/-

मैं जो भी हूं या होने की आशा करता हूं, उसका श्रेय मेरी मां को जाता है।
-अब्राहम लिंकन

अपनी ही सरकार पर वरुण गांधी का... 8 | ऊंचाहार में सपा की हैट्रिक रोकने... 3 | गरीबों को वोट बैंक समझने वाले... 7

अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट मामले में 38 दोषियों को मौत की सजा

इंडियन मुजाहिदीन ने दिया था वारदात को अंजाम, 56 लोगों की हुई थी मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अहमदाबाद में 2008 में हुए सीरियल बम धमाकों के दोषियों को आज तेरह साल बाद सजा सुनाई गई है। गुजरात की विशेष अदालत ने सीरियल बम ब्लास्ट के 38 दोषियों को फांसी और 11 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने पिछले मंगलवार को इस मामले में सुनवाई पूरी कर ली थी और 49 लोगों को पहले ही दोषी करार दिया था।

अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट मामले में सत्र न्यायालय के न्यायाधीश एआर पटेल ने 8 फरवरी को फैसला सुनाते हुए 49 आरोपियों को दोषी करार दिया था। अदालत ने इस मामले में 28 अन्य आरोपियों को बरी कर दिया था। 13 साल से अधिक पुराने इस मामले में अदालत ने पिछले साल सितंबर में मुकदमे की कार्यवाही पूरी कर ली थी।

78 आरोपियों से हुई थी मुकदमे की शुरुआत

अहमदाबाद में सिलसिलेवार धमाकों के कुछ दिन बाद पुलिस ने सूरत के विभिन्न इलाकों से कई बम बरामद किए थे। इसके बाद अहमदाबाद में 20 और सूरत में 15 एफआईआर दर्ज की गई थीं। अदालत की ओर से सभी 35 एफआईआर को एक साथ जोड़ देने के बाद दिसंबर 2009 में 78 आरोपियों के खिलाफ मुकदमे की शुरुआत हुई थी। इनमें से एक आरोपी बाद में सरकारी गवाह बन गया था। इस मामले में बाद में चार और आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया था, लेकिन उनका मुकदमा अभी तक शुरू नहीं हो पाया है। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन ने 1100 गवाहों का परीक्षण किया।

पुलिस ने दावा किया था कि आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन से जुड़े लोगों ने साल 2002 में गुजरात दंगों का बदला लेने के लिए इन हमलों को अंजाम दिया था, जिसमें कई लोग मारे गए थे। गौरतलब है कि 26 जुलाई 2008 को 70 मिनट की अवधि में हुए 21 बम धमाकों ने अहमदाबाद को हिला कर रख दिया था। इन हमलों में 56 लोगों की मौत हो गई थी और 200 से अधिक घायल हुए थे।

भाजपा पर बरसे अखिलेश, कहा

गर्मी निकालने वाले पड़ गए ठंडे

तीसरे-चौथे चरण के मतदान में सपा गठबंधन का दूसरा शतक भी होगा पूरा

- किसानों की आय नहीं हुई दोगुनी, जनता का पैसा लेकर भाग गए उद्योगपति
- नौजवानों को रोजगार नहीं मिला भाजपा सरकार में चरम पर पहुंची महंगाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जालौन। यूपी विधान सभा चुनाव के तीसरे चरण के मतदान से पहले सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आज जालौन के माधवगढ़ में आयोजित जनसभा में भाजपा पर जमकर हमला किया। उन्होंने नाम लिये बगैर मुख्यमंत्री योगी पर निशाना साधा है। उन्होंने महंगाई, विकास और नोटबंदी पर भाजपा को घेरा और कहा कि पहले और दूसरे चरण के मतदान के रुझान के बाद गर्मी निकालने की बात कहने वाले ठंडे पड़ गए हैं।

उन्होंने कहा कि पहले चरण और दूसरे चरण के मतदान के बाद जो लोग गर्मी निकालने की बात कह रहे थे, वे ठंडे पड़ गए हैं। दूसरे चरण के मतदान के बाद सपा गठबंधन ने शतक लगा लिया है। तीसरे और चौथे चरण में दूसरा शतक भी सपा गठबंधन के पक्ष में लग जाएगा। भाजपा सरकार ने बुंदेलखंड के लोगों के साथ धोखा किया। ये सरकार एमएसपी भी लागू नहीं कर पाई। नोटबंदी में गरीबों का पैसा बैंक में जमा कर लिया गया और उसे उद्योगपति लेकर भाग गए। किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई। भाजपा सरकार में महंगाई और बेरोजगारी चरम पर पहुंच गयी।

आज थम जाएगा तीसरे चरण का चुनाव प्रचार

यूपी में तीसरे चरण के विधान सभा चुनाव प्रचार का आज आखिरी दिन है। आज शाम 6 बजे चुनाव प्रचार का शोर थम जाएगा। सभी उम्मीदवारों की किस्मत 20 फरवरी को ईवीएम में कैद हो जाएगी। तीसरे चरण में यूपी की 59 सीटों पर वोटिंग होगी। तीसरे चरण में हाथरस, फिरोजाबाद, एटा, कासगंज, मैनपुरी, फर्रुखाबाद, कन्नौज, इटावा, औरैया, कानपुर देहात, कानपुर नगर, जालौन, झांसी, ललितपुर, हमीरपुर एवं महोबा में मतदान होना है।

भाजपा सांसद तेजस्वी पर कसा तंज

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे बनाने का श्रेय देने के लिए भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या को आड़े हाथ लिया। तेजस्वी सूर्या के ट्वीट का जवाब देते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि चिराग तले अंधेरा तो सुना था। भाजपाइयों के अज्ञान को देखकर तो ये कहा जा सकता है कि 'सूर्या' मतलब सूर्य तले अंधेरा है। जिस आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे की तारीफ के पुल ये बांध रहे हैं, इन्हें मालूम होना चाहिए वो अनुपयोगी जी ने नहीं, हमने बनवाया था। देखना कहीं ये भी तो उद्घाटन नहीं कर गये। तेजस्वी सूर्या ने गुरुवार को ट्विटर पर सपा शासन में बने आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे का एक वीडियो शेयर कर लिखा था कि योगी जी के एक्सप्रेसवे प्रदेश में लखनऊ से कन्नौज तक।

जो राममंदिर का करते थे विरोध अब लगा रहे मंदिरों के चक्कर : नड्डा

- गरीबों, किसानों और महिलाओं की हितैषी है भाजपा
- अयोध्या में विपक्ष पर भाजपा अध्यक्ष ने साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि बहुत जल्द राममंदिर का निर्माण हो जाएगा। सदियों पुराना सपना साकार हो जाएगा। भाजपा विचारों की पार्टी है। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद हमारा लक्ष्य है। उन्होंने बिना नाम लिए सपा और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन्होंने रामभक्तों पर गोलियां चलवायीं वे भी वोट मांगने आएंगे, उनसे पूछना कि रामभक्तों पर गोलियां क्यों चलवायीं। जो राममंदिर का विरोध करते थे वे अब मंदिरों के चक्कर लगा रहे हैं लेकिन अब पछताय होत का जब चिड़िया चुग गयी खेत।

उन्होंने कहा कि भाजपा देश और प्रदेश के विकास और उसकी तस्वीर बदलने पर विश्वास करती है। कश्मीर में धारा 370 को मोदी सरकार ने समाप्त कर दिया। मोदी सरकार ने तीन तलाक को समाप्त कर मुस्लिम महिलाओं को आजाद कर दिया। पाकिस्तान और बांग्लादेश समेत कई मुस्लिमों देशों में तीन तलाक नहीं लागू हैं लेकिन यहां तुष्टिकरण की राजनीति के तहत इसे लागू किया गया था। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का निर्माण किया गया। भव्य कुंभ और दीपोत्सव का काम भाजपा सरकार ने किया। भाजपा गरीब, वंचित, शोषित, पीड़ित, महिला और किसान की चिंता करती है। गरीबों की चिंता भाजपा सरकार करती है। कोरोना के दौरान गरीबों को मदद पहुंचाने का काम भाजपा सरकार ने किया। बीस करोड़ महिलाओं के खाते में पैसा पहुंचाने का काम किया। पीएम आवास के तहत एक करोड़ 76 लाख गरीबों को मकान दिए गए हैं। भाजपा सरकार सभी गरीबों को पक्का मकान देगी।

प्रदेश के नौजवानों को हक तभी मिलेगा जब अखिलेश बनेंगे सीएम : मुलायम सिंह

» करहल में सपा संरक्षक के जरिए सहानुभूति बटोरने की कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी चुनाव में मैनपुरी का करहल अब कुरुक्षेत्र बन गया है। विधानसभा चुनाव के तीसरे चरण में जिन हाई-प्रोफाइल सीटों पर सबकी नजर रहने वाली है उनमें से एक मैनपुरी की करहल विधानसभा सीट भी है। यहां भाजपा के एसपी सिंह बघेल और सपा पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के बीच कांटे मुकाबला है। ऐसे में सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव ने मैनपुरी के करहल में पहुंच कर यहां के मतदाताओं से एक भावनात्मक अपील की है। मुलायम ने मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि उनकी भावनाओं का सम्मान करते हुए उनके बेटे और पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव को भारी अंतर से विजयी बनाएं।

साल 2019 का लोकसभा चुनाव जीतने के बाद मुलायम का अपने पैतृक गांव का यह पहला दौरा था। मुलायम सिंह ने जनता से कहा कि अगर हमारी सरकार बनी तो किसानों की खाद की व्यवस्था की जाएगी। उनके फसलों को बेचने की व्यवस्था की जाएगी। खाद, बीज का इंतजाम किया जाएगया। उसको सिंचाई का साधन उपलब्ध कराया जाएगा। देश में जनता के अंदर चिंता है कि कहां जाएं, क्या करें? किसान, नौजवान, व्यापारी तीनों मिलकर ही देश को आगे ले जाने का काम कर सकते हैं। मुलायम सिंह यादव मैनपुरी से सांसद भी हैं। मायावती के साथ की गई चुनावी रैली में उन्होंने कहा था कि मुझे आखिरी बार यहां से जिता दो। जनता ने भी उन्हें सम्मान दिया और मुलायम को 2019 में संसद पहुंचा दिया। अब एक बार फिर मुलायम चुनावी मंच पर आए, लेकिन अबकी बार उनके हाथ बेटे के लिए वोट मांगने को उठे हैं। जानकार मानते हैं कि मुलायम परिवार का मैनपुरी की जनता से बड़ा पुराना रिश्ता रहा है। बीते 29 साल में सिर्फ 2002 में सपा के हाथ से करहल सीट निकली थी। इसके अलावा वह हमेशा करहल पर ही काबिज रही है। इटावा और आसपास के जिलों में उनके प्रति सहानुभूति है। तीसरे चरण में 59 विधानसभा सीटों पर 20 फरवरी को वोट डाले जाएंगे। इसके लिए 18 फरवरी को चुनाव प्रचार का शोर थम जाएगा।

यूपी में बदलाव होगा : अखिलेश

अखिलेश ने मंच से कहा कि नेताजी से आशीर्वाद लेकर यूपी को बदहाली से खुशहाली तक ले जाएंगे। 10 मार्च को यूपी में बदलाव होगा। यह चुनाव भाईचारे का चुनाव है। यह चुनाव किसानों का चुनाव है। यह चुनाव अन्न संकल्प लेकर किसानों के मान सम्मान को पूरा करने का चुनाव है। फौज में पुलिस में भर्ती कराने का चुनाव है। 11 लाख पद खाली हैं, नौकरी मिल जाए उसका चुनाव है। उन्होंने कहा कि ये नेताजी का क्षेत्र रहा है। यहां नेताजी ने पढ़ाई की, यहां नेताजी ने कुश्ती लड़ी-लड़ाई लड़ी। यहां नेताजी ने राजनीति सीखी और देश में सपा को ऊंचाइयों तक पहुंचाया है।

सपा प्रमुख ने मंच पर छुए मुलायम के पांव

मुलायम सिंह ने बेटे अखिलेश के लिए वोट मांगे। कहा कि सपा की प्राथमिकता नौजवान हैं। किसान हैं। उन्होंने आगे कहा कि लोग सोच रहे होंगे कि मुलायम सिंह जनता से क्या कहेंगे? हम सिर्फ यह कहेंगे कि जो भी करेंगे जनता के लिए ही करेंगे। देश को मजबूत करेंगे। उन्होंने सपा के लिए वोट देने की अपील करते हुए कहा आप लोग जिस विश्वास के साथ आएं हैं। हम उनको पूरा करेंगे। मुलायम ने कहा कि यहां जो विशाल भीड़ है। वह यह साबित कर रही है कि जनता चाहती है कि यहां सपा की सरकार बने। सपा की सरकार बनेगी तो नौजवानों को रोजगार, नौकरी का इंतजाम किया जाएगा, क्योंकि इतनी बड़ी तादाद में नौजवान हैं। इनके पास रोजगार नहीं, व्यापार नहीं है। इनका परिवार कैसे चलेगा। सपा जो कहती है वो करती है।

कांग्रेस करेगी ईवीएम की निगरानी

» प्रदेश अध्यक्ष ने प्रत्याशियों व जिलाध्यक्षों से की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। मतदान के बाद से ही कांग्रेस लगातार अच्छे प्रदर्शन की बात कहते हुए सरकार बनने का दावा भी करने लगी है। साथ ही पूर्व सीएम हरीश रावत ने खुद को मुख्यमंत्री के रूप में भी प्रोजेक्ट करना शुरू कर दिया है। अब कांग्रेस को स्ट्रांग रूम की निगरानी को लेकर भी चिंता होने लगी है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने इंटरनेट मीडिया के जरिए पार्टी के सभी जिलाध्यक्षों और उम्मीदवारों से अपील करते हुए कहा कि परिणाम वाले दिन यानी दस मार्च तक स्ट्रांग व मतगणना स्थलों की निगरानी करें। प्रदेश अध्यक्ष गोदियाल के इस बयान के कई मायने हैं। कांग्रेस को आशंका है कि मतगणना से पहले कहीं कोई गड़बड़ी न हो जाए। उत्तराखंड की 70 सीटों पर इस बार 632 उम्मीदवार मैदान में उतरे थे। 14 फरवरी को सभी सीटों पर वोटिंग हो चुकी है। आप, बसपा, उत्तराखंड क्रांति दल और निर्दलीय उम्मीदवारों के प्रदर्शन पर सबकी नजर है। लेकिन पिछले चार चुनाव की तरह मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच ही है। पीएम मोदी और सीएम पुष्कर धामी के चेहरे पर चुनाव लड़ने वाली भाजपा ने प्रचार के दौरान साठ पार का नारा दिया था।

भाजपा में ही गरीबों का कल्याण : स्वतंत्र देव

» प्रदेश अध्यक्ष ने सपा पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कन्नौज में जलालाबाद के ग्रामीण क्षेत्र में आयोजित जनसभा में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह ने सपा पर निशाना साधा। कहा कि सपा में माफिया का कल्याण होता है, जबकि भाजपा में गरीबों का कल्याण होता है। कन्नौज से सपा का सफाया होने जा रहा है। गुगरापुर ब्लॉक स्थित एक निजी कोल्ड स्टोरेज में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने जनसभा की। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी पूर्व आईपीएस असीम अरुण की जमकर तारीफ की। कहा कि पुलिस महकमे में असीम अरुण ने कई आधुनिक बदलाव किए हैं। वे कन्नौज का विकास हैं। सांसद सुब्रत पाठक ने कि भाजपा सरकार में गुंडे बाहर निकलने से डरते हैं, कहीं उनकी गाड़ी न पलट जाए। वहीं स्वतंत्र देव सिंह ने अखिलेश यादव पर एक ट्वीट कर भी जोरदार तंज कसा है। उन्होंने अपने ट्विटर पर एक तस्वीर ट्वीट की है जिसमें समाजवादी रथ में सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव, अखिलेश यादव, शिवपाल सिंह यादव और कई अन्य नेता मौजूद हैं। यह ट्वीट खूब वायरल हो रहा है। भाजपा अध्यक्ष ने अखिलेश की विजय रथ यात्रा के दौरान का एक फोटो ट्वीट कर लिखा कि चाचा को ना चुनाव लड़ने के लिए सीट मिली ना रथ में बैठने के लिए।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

किसान आंदोलन के वादे मोदी सरकार ने अब तक पूरे नहीं किए : राकेश टिकैत

» आरोप- भाजपा के वोटों की गिनती 15 हजार से शुरू होगी, दूसरों की शून्य से

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय किसान यूनियन की पंचायत में भाकियू प्रवक्ता राकेश टिकैत ने भाजपा पर तंज कसते हुए एक बार फिर बड़ा बयान देते हुए कहा कि भाजपा के वोटों की गिनती 15 हजार से शुरू होगी, जबकि दूसरों की शून्य होगी। उन्होंने अन्य भुगतान की तरह गन्ना भुगतान को भी डिजिटल करने की मांग रखी। मतगणना तक किसानों से चुप रहने तथा संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया।

भाकियू के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत ने मासिक पंचायत को संबोधित करते हुए संगठन की मजबूती पर बल दिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि संगठन के अंदर कुछ खामियां हैं, जिन्हें वह दूर कर लें। हम तो संगठन की निस्वार्थ रूप से सेवा कर रहे हैं, करते रहेंगे। नरेश टिकैत ने जल बचाने का भी आह्वान किया। उन्होंने किसानों व आम नागरिकों से कम पानी खर्च करने की अपील करते हुए कहा कि हमें अपनी आगामी पीढ़ी के लिए जल बचाकर रखना है। उन्होंने जनपद में दुर्घटना में हुई दो बच्चों की मृत्यु पर भी दुख जताया। साथ ही उन्होंने बाइक पर तीन सवारियों के बैठने पर भी ऐतराज जताया और किसानों से बाइक पर दो सवारियों के बैठने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आगामी 17 मार्च की होली है। 10 मार्च के परिणाम यह तय करेंगे कि इस बार होली किसकी मन रही है।

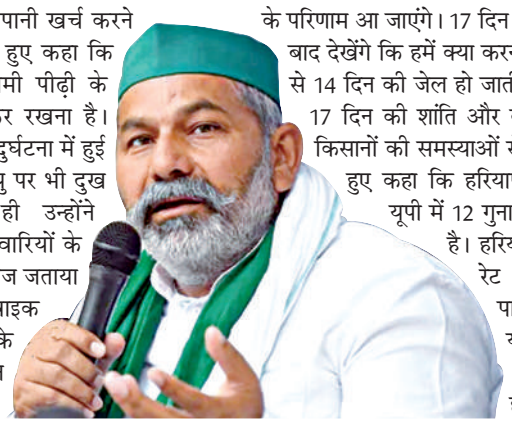

राकेश टिकैत ने कहा कि 17 दिन बाद चुनाव के परिणाम आ जाएंगे। 17 दिन चुप रहो। उसके बाद देखेंगे कि हमें क्या करना है। जिस तरह से 14 दिन की जेल हो जाती है, उसी प्रकार 17 दिन की शांति और कर लो। उन्होंने किसानों की समस्याओं से अवगत कराते हुए कहा कि हरियाणा के मुकाबले यूपी में 12 गुना बिजली का रेट है। हरियाणा में बिजली रेट 15 रुपये हार्स पावर है। हमारे यहां 175 रुपये है। ऐसा नहीं होना चाहिए।

ऊंचाहार में सपा की हैट्रिक रोकने के लिए भाजपा ने लगाया दम

बसपा-कांग्रेस सहित अन्य तलाश रहे अपनी जमीन

भाजपा अपनी किस्मत चमकाने के लिए लगा रही पूरा जोर

स्वामी प्रसाद मौर्या के सपा में जाने के बाद सुर्खियों में यह सीट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी समेत कई प्रदेशों को बिजली से रोशन करने वाले एनटीपीसी के शहर रायबरेली के ऊंचाहार विधानसभा क्षेत्र में भाजपा अपनी किस्मत चमकाने के लिए पूरा जोर लगा रही है। योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे स्वामी प्रसाद मौर्य के सपा में जाने के बाद यह सीट अचानक सुर्खियों में आ गई है। सपा में हैट्रिक लगाने की बेताबी है तो उसका विजय रथ रोकने के लिए भाजपा स्टार प्रचारकों और जातीय समीकरणों के भरोसे है। वहीं नए चेहरे के जरिये बसपा और दल बदलकर आए कांग्रेस प्रत्याशी भी सियासी जमीन पर संघर्ष कर रहे हैं। भाजपा और सपा में स्थानीय बनाम बाहरी का नारा भी फिजा में गूंज रहा है।

इस सीट पर अब तक कांग्रेस, सपा और बसपा का ही कब्जा रहा है। कभी यह सीट कांग्रेस का गढ़ थी। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के करीबी रहे कुंवर हरनारायण सिंह पांच बार और उनके बेटे अजयपाल सिंह एक बार विधायक रहे। स्वामी प्रसाद मौर्या दो बार बसपा से तो सपा के डॉ. मनोज कुमार पांडेय 2012 और 2017 में किला फतह कर चुके हैं। पांडेय के खिलाफ स्वामी के बेटे उत्कर्ष एक बार बसपा तो एक बार भाजपा से लड़े, लेकिन जीत नहीं दिला पाए। स्वामी के सपा में जाने के बाद इस सीट पर भाजपा ने पड़ोसी जिले प्रतापगढ़ की कुंडा तहसील के रहने वाले अमरपाल मौर्य को उतार कर यह संदेश देने का प्रयास किया है कि वह पिछड़ों की हिमायती है। वहीं मनोज पांडेय सपा के परंपरागत वोटर यादव, मुस्लिम के साथ ब्राह्मण व अन्य वर्गों को जोड़कर और विकास के काम गिनाकर तीसरी बार विधायक बनने का सपना संजोए हैं। बाहरी के जवाब में अमरपाल यह कहकर चुनावी वैतरणी पार लगाने की कोशिश में हैं कि अब सब कुछ हमारा इसी क्षेत्र में है। कांग्रेस के पूर्व विधायक अजयपाल सिंह इस बार चुनाव नहीं लड़े तो पार्टी ने भाजपा से आए अतुल सिंह को टिकट दे दिया। भाजपा से टिकट न मिलने पर अतुल ने पाला बदल लिया था। वे पहली बार सियासी मैदान में उतरे हैं। वहीं, बसपा ने अंजलि मौर्य के रूप में नया चेहरा उतारा है। वे पिछड़ों के भरोसे खुद को मजबूत मान रही हैं।

2017 का चुनाव परिणाम

डॉ. मनोज कुमार पांडेय	सपा 59,103
उत्कर्ष मौर्य	भाजपा 57,169
विवेक विक्रम सिंह	बसपा 45,356
अजयपाल सिंह	कांग्रेस 34,274

वोटों का गणित

ब्राह्मण	37 हजार
क्षत्रिय	36 हजार
मौर्य	26 हजार
यादव	40 हजार
पासी	64 हजार
वैश्य	25 हजार
मुस्लिम	20 हजार

सरेनी और सलोन पर भी पड़ता है यहां की हवा का असर

ऊंचाहार सीट से विधानसभा सरेनी और सलोन (सुरक्षित) की सीमाएं जुड़ी हैं। ऊंचाहार में बनने वाले समीकरणों का असर दोनों सीटों पर पड़ता है। पासी बहुल यह क्षेत्र बगल की सलोन सुरक्षित सीट पर ज्यादा असर डालती है जबकि सरेनी में अगड़ी जाति के लोगों पर असर पड़ता है। ऊंचाहार में जिस जाति का उम्मीदवार जिताऊ होता है, वह पड़ोस की सीट पर उतना ही असर डालता है। फिलहाल यहां चौथे चरण में 23 फरवरी को मतदान होना है। मतदान का दिन जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, चुनाव भाजपा और सपा के बीच सिमटता जा रहा है। परंपरागत वोट और जातीय समीकरण में उलझी इस सीट के जातीय समीकरणों को जो सुलझा लेगा, वही यहां का शहंशाह बनेगा।

यूपी विस चुनाव : बागी बिगाड़ सकते हैं समीकरण, सियासी दलों की बढ़ी धड़कनें

- पूर्वांचल में भाजपा को करना पड़ रहा बागियों का सामना
- टिकट कटने से नाराज हैं अपनी ही पार्टी के नेता
- कहीं निर्दलीय तो कहीं दूसरी पार्टी से ठोक रहे ताल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में चुनाव के दो चरण पूरे हो चुके हैं। तीसरे के लिए सभी दलों ने अपनी ताकत झोंक रखी है। धुआंधार प्रचार हो रहा है। वहीं पूर्वांचल में सियासी दलों की धड़कनें बागियों ने बढ़ा दी है। यहां पर ये बागी समीकरण बिगाड़ सकते हैं। सबसे ज्यादा सपा और भाजपा के सामने मुश्किलें खड़ी हो रही हैं।

सपा और भाजपा दोनों ने कई विधायकों का टिकट काटकर नए उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है तो कई सीटों पर सहयोगी दलों से समझौते की वजह से भी दावेदारों को टिकट नहीं दिए जा सके है। इससे पार्टी के लिए काम करने वाले तमाम कार्यकर्ता और नेता नाराज हैं। वे दूसरे दलों से टिकट लेकर मैदान में उतर चुके हैं या निर्दल ही अपनी पुरानी पार्टी के उम्मीदवारों के खिलाफ ताल ठोक रहे हैं। बागियों से सबसे अधिक खतरा सपा-भाजपा को है। भाजपा को कई सीटों पर बागियों से कड़ी चुनौती मिल रही है। भाजपा ने पूर्वांचल में मुगलसराय, गोरखपुर सदर, बैरिया समेत कई सीटों पर मौजूदा विधायकों का टिकट काटकर नए चेहरे उतारे हैं। इसको लेकर टिकट कटने वालों और उनके समर्थकों में असंतोष है। बलिया के बैरिया सीट पर मौजूदा विधायक सुरेंद्र सिंह बागी होकर विकासशील इंसान पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर पर्चा दाखिल कर चुके हैं। ऐसे में भाजपा उम्मीदवार संसदीय कार्य राज्यमंत्री आनंद स्वरूप शुक्ला को काफी चुनौती मिल सकती है। इसी तरह गोंडा के कैसरगंज सीट से टिकट नहीं मिलने से बागी हुए विनोद कुमार शुक्ला भाजपा छोड़ बसपा से ताल ठोक रहे हैं। ऊंचाहार से टिकट के प्रबल दावेदार रहे अतुल सिंह भी कांग्रेस से मैदान में उतरकर भाजपा को चुनौती देने की कोशिश कर रहे हैं। सिद्धार्थनगर की इटवा सीट से टिकट नहीं मिलने पर कई बार के विधायक रहे जिप्पी तिवारी खुद सामने आने के बजाय अपने भाई को बसपा से चुनाव लड़ा रहे हैं।

सपा के सामने भी मुश्किल कम नहीं

बागियों की सबसे अधिक संख्या सपा में है। तीसरे से लेकर सातवें चरण के चुनाव में बागियों का सबसे अधिक सामना सपा को ही करना पड़ेगा। अयोध्या की रुदौली सीट से पूर्व विधायक अब्बास अली रुश्दी मियां सपा से इस्तीफा देकर बसपा के टिकट पर मैदान में हैं। वे सपा को कड़ी टक्कर देने की स्थिति में हैं। अनूप सिंह बागी होकर बीकापुर के अखाड़े में निर्दलीय ताल ठोक रहे हैं। टांडा में शबाना खातून, मड़ियाहूं सीट पर पूर्व विधायक श्रद्धा यादव, महोबा सीट पर पूर्व विधायक सिद्ध गोपाल साहू के भाई संजय साहू, श्रावस्ती सीट पर पूर्व विधायक मो. रमजान, फाजिल नगर सीट पर सपा जिलाध्यक्ष इलियास अंसारी बसपा उम्मीदवार के तौर पर मैदान में आ चुके हैं। सपा से सात बार विधायक रहे नरेंद्र सिंह यादव इस बार फर्रुखाबाद की अमृतपुर सीट से निर्दलीय ताल ठोक रहे हैं। पूर्व विधायक अजय यादव भी हाथी पर सवार होकर एटा सीट से सपा के खिलाफ ताल ठोक रहे हैं।

भितरघातियों से भी है खतरा

खुलेआम बगावत करने वालों के अलावा दोनों दलों में ऐसे भितरघातियों की भी संख्या बहुतायत में है जो पार्टी में उपेक्षा की वजह से आहत हैं और इस बार भी टिकट पाने से वंचित रह गए हैं। इनमें बहुत से ऐसे लोग भी हैं जो करीब 25-30 साल से पार्टी के प्रति निष्ठा से काम करते रहे और जब बारी आई तो पार्टी ने दूसरे दलों से आए लोगों को टिकट देकर चुनाव मैदान में उतार दिया। ऐसे लोग भी प्रत्याशियों के लिए चुनौती बन सकते हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सिर्फ कानून बनाने से नहीं बनेगी बात

सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार ने अब दोपहिया वाहन पर चार साल से कम के बच्चों के लिए हेलमेट और सेफ्टी हारनेस अनिवार्य कर दिया है। इसके लिए केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय ने अधिसूचना भी जारी कर दी है। सड़क हादसों में होने वाली मौतों को कम करने के लिए सरकार अब तक कई नियम और कानून बना चुकी है। बावजूद इसके हादसों और इसमें मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार ने अब दोपहिया वाहन पर चार साल से कम के बच्चों के लिए हेलमेट और सेफ्टी हारनेस अनिवार्य कर दिया है। इसके लिए केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय ने अधिसूचना भी जारी कर दिया है। सड़क हादसों में होने वाली मौतों को कम करने के लिए सरकार अब तक कई नियम और कानून बना चुकी है। बावजूद इसके हादसों और इसमें मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। सवाल यह है कि क्या कानून बना देने भर से लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है? क्या बेहतर सड़कों और सुव्यवस्थित यातायात के बिना हादसों को रोका जा सकता है? क्या लोगों को जागरूक किए बिना कानूनों का पालन कराया जा सकता है? क्या यातायात के नियमों को नजरअंदाज करने की प्रवृत्ति ने हादसों की संख्या को नहीं बढ़ाया है? क्या सड़क निर्माण में व्याप्त भ्रष्टाचार को खत्म किए बिना हालात को काबू किया जा सकता है?

देश में सड़क हादसों में मरने वालों की संख्या साल-दर-साल बढ़ती जा रही है। इसकी सबसे बड़ी वजह यातायात नियमों का उल्लंघन और सड़कों की खराब व्यवस्था है। देश के अधिकांश राज्यों में सड़कों की हालत खस्ता है। सड़कें आज तक गड्ढामुक्त नहीं हो सकी। इस पर सुप्रीम कोर्ट तक चिंता जता चुका है और सड़कों को दुरुस्त करने के निर्देश राज्य सरकारों को दे चुका है लेकिन कोर्ट के सख्त रुख के बाद भी हालात जस के तस हैं। वहीं गिनती के शहरों को छोड़ दें तो अधिकांश में यातायात सिस्टम पूरी तरह ध्वस्त है। मसलन, यूपी की राजधानी लखनऊ के अधिकांश चौराहों पर सिग्नल सिस्टम नहीं हैं। जहां हैं भी वह बंद पड़े हैं। यही नहीं इन चौराहों पर ट्रैफिक पुलिस भी नहीं दिखती है। लिहाजा लोग यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाते हैं। भ्रष्टाचार का आलम यह है कि नयी बनी सड़क भी पहली बारिश में उखड़ जाती है और उस पर वाहनों का चलना दुभर हो जाता है। स्पीड ब्रेकर भी मानकों को ताक पर रखकर बनाए जा रहे हैं। लिहाजा हादसों की संख्या बढ़ती जा रही है। दूसरी ओर अप्रशिक्षित ड्राइवर भी हादसों का कारण बन रहे हैं। ये ड्राइवर फर्जी तरीके से बिना टेस्ट पास किए ड्राइविंग लाइसेंस हासिल कर लेते हैं और सड़क पर लोगों की जान के दुश्मन बन जाते हैं। यह सब तक है जब सरकार ने तमाम कानून-कायदे बना रखे हैं। जाहिर है केवल कानून बना देने भर से हादसों को रोका नहीं जा सकता है। इसके लिए सरकार और प्रशासन के पास मजबूत इच्छाशक्ति होनी चाहिए। देश में बेहतर सड़कों, सुव्यवस्थित यातायात सिस्टम और कानूनों का सख्ती से पालन कराकर ही हादसों को रोका जा सकता है।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पूर्वोत्तर में शरणार्थियों का संकट

पंकज चतुर्वेदी

पिछले वर्ष म्यांमार में सेना ने सत्ता पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद हजारों शरणार्थी देश के पूर्वोत्तर राज्यों, खासकर मिजोरम और मणिपुर की तरफ आ गये थे। जनता के दबाव में मणिपुर सरकार को वह आदेश तीन दिन में ही वापस लेना पडा था, जिसमें म्यांमार से भाग कर आ रहे शरणार्थियों को भोजन एवं आश्रय मुहैया कराने के लिए शिविर न लगाने का आदेश दिया गया था। अब मिजोरम सरकार ने फैसला किया है कि शरणार्थियों को पहचान पत्र मुहैया कराया जायेगा। इसके लिए 16 हजार लोगों को चिह्नित किया गया है।

म्यांमार में राजनीतिक संकट के चलते हमारे देश में हजारों लोग अभी अस्थायी शिविरों में रह रहे हैं। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पास किसी भी विदेशी को शरणार्थी का दर्जा देने की शक्ति नहीं होती। भारत ने 1951 के संयुक्त राष्ट्र, शरणार्थी सम्मेलन और इसके 1967 के प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर नहीं किये हैं। शरणार्थियों में कई तो वहां की पुलिस और अन्य सरकारी सेवाओं के लोग हैं, जिन्होंने सैनिक तख्ता पलट का विरोध किया था। अब सेना हर विरोधी को गोली मारने पर उतारू है, सो उन्हें अपनी जान बचाने को सबसे मुफीद जगह भारत ही दिखायी दी। यह कड़वा सच है कि पूर्वोत्तर भारत में म्यांमार से शरणार्थियों का संकट बढ़ रहा है। म्यांमार की अवैध सुपारी की तस्करी बढ़ गयी है और इलाके में सक्रिय अलगाववादी समूह म्यांमार के रास्ते चीन से इमदाद पाने में इन शरणार्थियों की आड़ ले रहे हैं। म्यांमार से आये रोहिंग्या के खिलाफ देशभर में माहौल बनाया जा रहा है, लेकिन अब जो शरणार्थी आ रहे हैं वे गैर मुस्लिम हैं। रोहिंग्या के खिलाफ हिंसक अभियान चलानेवाले बौद्ध संगठन अब म्यांमार फौज के समर्थक बन गये हैं। नफरत का जहर भरने वाला अशीन विराथु अब उस सेना का समर्थन कर रहा है, जो निर्वाचित आंग सांग सू की को गिरफ्तार कर लोकतंत्र को समाप्त कर चुकी है। म्यांमार सैनिक शासन के बाद से सैकड़ों बागी पुलिसवालों और दूसरे सुरक्षाकर्मियों का चोरी-छिपे मिजोरम में आना जारी है। भारत में उनके रुकने, भोजन स्वास्थ्य आदि के लिए कई संगठन काम कर रहे हैं। सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक 83 लोग हेंथिअल में, 55 लॉन्गतालाई में, 15 सेर्चिप में, 14 आइजोल में, तीन सैटुएल में और दो-दो नागरिक कोलासिब और लुंगलेई में रह रहे हैं। असल में केंद्र सरकार नहीं चाहती कि म्यांमार से कोई भी शरणार्थी यहां आकर बसे क्योंकि रोहिंग्या

मामले में केंद्र का नजरिया स्पष्ट है। अगर इन नये आगंतुकों का स्वागत किया जाता है, तो धार्मिक आधार पर शरणार्थियों से भेदभाव करने के आरोप से दुनिया में भारत की किरकिरी हो सकती हैं। उधर, मिजोरम और मणिपुर में प्रदर्शन हुए हैं, जिनमें शरणार्थियों को सुरक्षित स्थान देने का समर्थन किया गया है।

भारत और म्यांमार के बीच 1,643 किलोमीटर की सीमा है, जिनमें मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड का बड़ा हिस्सा है। अकेले मिजोरम की सीमा 510 किलोमीटर है। एक फरवरी, 2021 को म्यांमार की फौज ने चुनावों में सू की की पार्टी की जीत को धोखाधड़ी करार देते हुए तख्ता पलट कर दिया था। चुनाव आयोग ने सेना के आदेश को स्वीकार नहीं किया तो फौज ने आपातकाल लगा दिया। हालांकि, भारत ने इसे म्यांमार का अंदरूनी मामला बता कर चुप्पी साधी हुई है। भारत इस बीच कई रोहिंग्याओं को वापस म्यांमार भेजने की कार्यवाही कर रहा है। उस पार के सुरक्षा बलों से जुड़े शरणार्थियों को सौंपने का भी दबाव है।यह लगभग पूर्वी पाकिस्तान के बांग्लादेश के रूप में उदय की तरह शरणार्थी समस्या बन चुका है। ,

मिजोरम में शरण लिये हुए हजारों शरणार्थियों को राज्य सरकार पहचान पत्र मुहैया कराने पर विचार कर रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अभी पहचान पत्र जारी करने की प्रक्रिया चल रही है और करीब 16,000 कार्ड मुहैया कराये जायेंगे। यह उन लोगों के लिए एक चुनौतीपूर्ण काम है, जिन्हें सीमाओं के पार और कई जगहों पर अपने रिश्तेदारों के साथ रहना पड़ता है। अधिकारी ने बताया कि कई शरणार्थी अस्थायी शिविरों में रह रहे हैं। जैसे ही कोविड-19 की स्थिति आसान होगी, शरणार्थियों पर एक कार्य समूह सीमा से लगे क्षेत्रों का दौरा करेगा। विशेष रूप से, राज्य म्यांमार के साथ 510 किलोमीटर लंबी बिना बाड़ वाली सीमा साझा करता है। इससे पहले, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने चार उत्तर पूर्वी राज्यों मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश को एक सलाह भेजकर कहा था कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पास किसी भी विदेशी को शरणार्थी का दर्जा देने की कोई शक्ति नहीं है और भारत 1951 के संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी सम्मेलन और इसके 1967 के प्रोटोकॉल का हस्ताक्षरकर्ता नहीं है।

चीन को स्पष्ट संदेश है एप पर पाबंदी

अनिल त्रिगुणायत

भारत ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं के कारण फिर 53 चीनी एप पर पाबंदी लगायी है। पिछले डेढ़ साल में 300 से अधिक ऐसे एप बंद किये गये हैं, जिनकी पृष्ठभूमि चीन से संबंधित है। ये एप जिस प्रकार से यूजर के डाटा को संग्रहित करते हैं, उससे भारत की सुरक्षा को खतरा पहुंच सकता है। सरकार की यह कार्रवाई बेहद अहम है क्योंकि एप डाउनलोड और इंस्टॉल करने के मामले में भारत दुनिया का सबसे बड़ा बाजार है। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल हमारे देश में 25 अरब से अधिक डाउनलोड हुए हैं। जाहिर है ये पाबंदियां चीन की डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा झटका है। एक प्रकार से इस मसले को क्षेत्रीय जटिलता के हिसाब से देखा जा सकता है। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर उसकी आक्रामकता और गलवान घाटी में उसके हमलावर होने के बावजूद चीन चाहता है कि आर्थिक संबंध सामान्य रूप से चलते रहें तथा वह राजनीतिक और सामरिक तौर पर भारत को दबाता रहे ताकि भारत दक्षिण एशिया तक सीमित रहे। यह उसकी रणनीति है और इसी कारण वह हमारे पड़ोसी देशों में भी लगातार अपना वर्चस्व बढ़ा रहा है।

अब भारत के सामने यही विकल्प है कि यदि चीन राजनीतिक स्थिति को सामान्य बनाये नहीं रख सकता है तो इसके असर अन्य क्षेत्रों पर होंगे। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने स्पष्ट रूप से कहा है कि चीनी रणनीति में अगर सुधार नहीं होता है तो व्यापारिक गतिविधियां भी सुचारु रूप से नहीं चल सकती हैं। भारत ने इसी वजह से एप पर पाबंदी लगाने की पहल की है। भारत इस तथ्य से वाकिफ है कि आर्थिक एवं व्यापारिक स्तर पर चीन पर हमारी निर्भरता है। इसे कम करने के प्रयास में भारत ने अनेक क्षेत्रों, विशेषकर इलेक्ट्रिकल्स, चिप निर्माण आदि में देश के भीतर उत्पादन बढ़ाने की दिशा में उल्लेखनीय पहलकदमी की है ताकि आत्मनिर्भर भारत बनाने के संकल्प को साकार किया जा सके।

पिछले साल उत्पादन से संबंधित प्रोत्साहन योजना भी शुरू की गयी है, जिसके उत्साहजनक परिणाम आने लगे हैं। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव समाप्त करने के लिए दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों के बीच चौदह वार्ताएं हो चुकी हैं। इनसे कुछ लाभ हुआ है पर उसे संतोषजनक नहीं माना जा सकता है। रूस-भारत-चीन प्रक्रिया में भारत ने बीजिंग में आयोजित शीतकालीन ओलिंपिक को समर्थन भी किया ताकि आपसी तनाव राजनीतिक स्वरूप न ले ले लेकिन चीन ने उसी सैन्य अधिकारी से इस खेल आयोजन में मशाल प्रज्ज्वलित कराया, जो गलवान हमले में शामिल था। यह एक आक्रामक पैंतरा ही है क्योंकि भारत के लिए यह मामला बहुत संवेदनशील है। ऐसे में भारत को उसे यह स्पष्ट संदेश देना है कि जब तक वास्तविक नियंत्रण रेखा पर स्थिति बेहतर नहीं होती है तथा चीन के रवैये में सुधार नहीं होता है, तब तक अन्य मामलों में भी भारत का रुख कठोर रहेगा।

चीन विभिन्न मसलों पर पाकिस्तान को भी समर्थन करता रहता है। हाल ही में उसने एक बार फिर पाकिस्तान के साथ साझा बयान जारी कर भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने तथा भारत-विरोधी गतिविधियों को उकसाने की कोशिश की है। भारत यह नहीं भूल सकता है कि कुख्यात आतंकी सरगना मसूद अजहर को अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी घोषित करने के संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव को चीन ने अपने निषेधाधिकार से पांच बार रोका था। किसी भी द्विपक्षीय या बहुपक्षीय मंच पर वह भारतीय हितों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश से बाज नहीं आता है। इस स्थिति में हमें अपनी सुरक्षा को लेकर बहुत सजग रहना है। आज चीन तकनीक के मामले में किसी भी देश से कमतर नहीं है। वह डिजिटल तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आदि में बहुत भारी निवेश कर रहा है। दरअसल, हम जब किसी एप का इस्तेमाल करते हैं तो उसमें हमारी सूचनाएं भी जमा होती हैं। अब सवाल यह उठता है कि उस डाटा का भंडारण कहां हो रहा है अगर वह चीन में किया जा रहा है तो निश्चित रूप से यह चिंता का विषय है। संवेदनशील कार्यों से जुड़े लोग भी एप का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में जो भी एप डाटा का भंडारण चीन में करते हैं या उनका संबंध चीनी कंपनियों से है या वे चोरी-छुपे डाटा की सेंधमारी करते हैं, उन पर कार्रवाई करना जरूरी हो जाता है। चीन स्वयं अपने यहां पश्चिम के बहुत से एप को चलने नहीं देता है या उन्हें चीन की सरकार के नियमों के तहत संचालित करना पड़ता है।

भारत द्वारा चीनी एप पर पाबंदी सुरक्षा कारणों से जरूरी है ही यह एक स्पष्ट संदेश भी है कि चीन को यह समझना होगा कि दोनों देशों के संबंध सामान्य नहीं हैं और वह भारत के साथ अपनी इच्छा के अनुसार व्यवहार नहीं कर सकता है। इन पाबंदियों से चीन की डिजिटल अर्थव्यवस्था को अच्छा-खासा नुकसान होगा क्योंकि इन एप के लिए भारत बहुत बड़ा बाजार है। हमें सामरिक रूप से चौकस रहने तथा आर्थिक आत्मनिर्भरता बढ़ाने के साथ वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों व समूहों के साथ रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने की कोशिशों पर भी अधिक ध्यान देना चाहिए ताकि चीन यह न समझे कि वह अपनी मनमर्जी से कुछ भी करता रहेगा। हालांकि चीन के साथ बातचीत का सिलसिला भी जारी रखना चाहिए।

बच्चों में डायबिटीज और दिल की बीमारी को बढ़ावा देता है मोटापा

दुनियाभर में करीब 2 अरब बच्चे मोटापे से ग्रस्त हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि चाइल्ड ओबेसिटी जल्द ही महामारी में तब्दील हो सकती है

पिछले दो सालों में कोरोना महामारी ने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई और खेलने-कूदने पर कई पाबंदियां लगा दीं। इसके चलते उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों पर ही बुरा असर पड़ा। जो बच्चे स्कूल में अपना आधा दिन बिताते थे, वे घर में कैद होकर अपना पूरा दिन फोन के सामने गुजारने लगे। उन्हें बिना कोई फिजिकल एक्टिविटी किए बैठे-बैठे खाने की आदत हो गई। ऐसे में जहां कुछ बच्चों का वजन बढ़ा, वहीं कुछ का वजन आउट ऑफ कंट्रोल हो गया।

WHO के अनुसार मोटापा क्या है

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, मोटापा ऐसी कंडीशन होती है, जिसमें हमारे शरीर में जरूरत से ज्यादा फैट जमा हो जाता है। इससे कई गंभीर बीमारियां, जैसे हृदय रोग और टाइप-2 डायबिटीज, होने का रिस्क बढ़ता है। ये रोग मोटे बच्चों को भी अपना शिकार बना रहे हैं। जिन लोगों का बॉडी मास इंडेक्स (BMI) 25 से ज्यादा होता है, उन्हें ओवरवेट कहा जाता है और जिनका BMI 30 से ज्यादा होता है, उन्हें ओबीस (मोटा) कहा जाता है। BMI एक मेट्रिक सिस्टम है, जिसका इस्तेमाल इंसान के ज्यादा और कम वजन को मापने के लिए किया जाता है।

भारतीय बच्चों में बढ़ रहा मोटापा

नवंबर 2021 में रिलीज हुई नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 (NFHS-5) की रिपोर्ट के अनुसार, 5 साल की उम्र तक के बच्चों में मोटापा बढ़ा है। NFHS-4 में 2.1% के मुकाबले मोटापे से ग्रसित बच्चों की संख्या बढ़कर NFHS-5 में 3.4% हो गई है। इस बदलाव को अलार्मिंग स्टेज भी समझा जा सकता है। बता दें कि देश में करीब 1.44 करोड़ बच्चे अधिक वजन वाले हैं। दुनियाभर में करीब 2 अरब बच्चे मोटापे से ग्रस्त हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि चाइल्ड ओबेसिटी जल्द ही महामारी में तब्दील हो सकती है।

टीवी देखते हुए खाना ना खिलाएं

हार्वर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के मुताबिक, बच्चों में मोटापा बढ़ने का एक कारण उनका स्क्रीन एक्सपोजर भी है। जो बच्चे अधिक देर तक टीवी, मोबाइल या कम्प्यूटर इस्तेमाल करते हैं, उनमें मोटापे का खतरा बढ़ जाता है। लंबे समय तक टीवी के सामने बैठने का मतलब है अधिक स्नैक्स का सेवन। यानी हाई शुगर और हाई फैट। यह मोटापे के लिए सर्वाधिक जिम्मेदार है।

बच्चों में मोटापा कम करने के आयुर्वेदिक नुस्खे

आयुर्वेद के अनुसार मोटापे से जूझ रहे लोगों को कम तेल में बना हल्का खाना खाना चाहिए, जो शरीर आसानी से पचा सके। व्यंजनों में हल्दी, अदरक, मिर्च, धनिया, दालचीनी जैसी चीजों का इस्तेमाल करना चाहिए। त्रिफला, वलिया लक्षदी जैसे तेल के इस्तेमाल के साथ ही स्टीम बाथ लेनी चाहिए। एक भाप से भरे कमरे में खुद को निश्चित समय तक रखना स्टीम बाथ कहलाता है। इससे पसीना ज्यादा आएगा और फैट कम होगा। योगासन जैसे ताड़ासन, पश्चिमोतानासन, सूर्य नमस्कार, पवनमुक्तासन, भुजंगासन और धनुरासन का रोजाना अभ्यास करने से मोटापा कम होता है। प्राणायाम जैसे कपालभाति, अनुलोम विलोम, भस्त्रिका और भ्रामरी का अभ्यास करने से शरीर में सकारात्मक बदलाव आते हैं।

हंसना मना है

टीचर बच्चों से: कोई ऐसा वाक्य सुनाओ जिसमे हिंदी, उर्दू , पंजाबी और अंग्रेजी का प्रयोग हो। राजू: इश्क दी गली विच नो इंट्री। और टीचर बेहोश।

डॉक्टर: आपकी पत्नी बस दो तीन दिन की मेहमान है बस, सो सारी। पति: इसमें सॉरी की क्या बात है डॉक्टर साहिब ये 2-3 दिन भी जैसे तैसे कट ही जायेंगे।

बीवी से परेशान पति एक दिन पंडितजी के पास पहुंचा पति: पंडितजी, एक बात बताइये ये जन्म जन्म का साथ वाली बात सच है क्या ? पंडितजी: सौ फीसदी सच ! पति: मतलब मुझे अगले जन्म में भी यही पत्नी मिलेगी पंडितजी: बिल्कुल! पति: हे भगवान! फिर तो खुदकुशी करने से भी कोई फायदा नहीं!

खूबसूरत लड़की के मुंह में थर्मामीटर रख देहाती डॉक्टर बोला... डॉक्टर: कुछ देर तक चुपचाप रहना है... यह देख लड़की का प्रेमी बोला... यह कितने की चीज है और कहां मिलती है।

पति: तुम इतना क्यों चिल्लाती हो? पत्नी: क्योंकि हर बार गलती तुम ही करते हो पति - काश तुम एक बकरी होती पत्नी - तो फिर क्या करते? पति - फिर मैं तुझसे पूछता कि बता कौन ज्यादा गलती करता है और तुम चिल्ला के बोलती - मैं...मैं...मैं...

कहानी — सपनों का गोला

नीली घाटी के पीछे का हरा भरा मैदान में चूहों की बस्ती थी। चीची चूहा उनका मुखिया था जो बड़ा ही बहादुर और समझदार था और सबकी मदद करने में सबसे आगे रहता था। रोज की तरह आज भी वो अपने दोस्तों के साथ नदी के किनारे लम्बी हरी घास में लुका- छिपी का खेल खेल रहा था कि अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह छपाक की आवाज के साथ नदी में जा गिरा। उसने घबराते हुए मदद के लिए आस पास देखा, पर सब कही ना कही छुपे हुए थे, इसलिए उसे कोई नहीं दिखा। तभी उसके पास से एक नाव गुजरी, चीची जान बचाने के लिए हिम्मत करते हुए किसी तरह उसमें चढ़ गया। नाव में एक दो आदमी बैठे थे जो शायद उस राज्य के राजा से मिलने जा रहे थे और साथ में आमों से भरा एक झोला राजा को उपहार देने के लिए ले जा रहे थे। चीची जल्दी से उस झोले के अंदर कूद गया और बिना हिले डुले दम साधे बैठा रहा। जब नाव किनारे पर लग गई तो वे दोनों आदमी राजमहल की ओर चल पड़े। चीची अपने घर और दोस्तों की याद करते हुए सोच रहा था कि पता नहीं वो उन लोगो से अब कभी मिल भी पायेगा या नहीं। तभी अचानक द्वारपाल ने एक आदमी से थैला हाथ में लेते हुए जांच पड़ताल के लिए जमीन पर उलट दिया। आमों के बीच से निकल कर चीची फर्ती से एक और भागा। सभी आमों को उठाने में लग गए और चीची की तरफ किसी ने भी ज्यादा ध्यान नहीं दिया। चीची जिस तरह से राजमहल के अंदर घुसा, वो महल का रसोईघर था। ढेर सारे पकवान देखकर उसकी भूख और बढ़ गई और वो जमीन पर पड़ी पूरी के टुकड़े को आराम से बैठकर कुतरने लगा। इस साहसिक यात्रा के बाद चीची के अंदर थोड़ी हिम्मत आ चुकी थी और वह महल रसोईघर से बाहर निकालकर दूसरे कमरे में पहुंचा, जहां पर राजा परेशान सा इधर उधर टहल रहा था और उसके मंत्री भी परेशान से खड़े हुए थे। चीची राजा को गौर से देखने लगा। तभी राजा बोला कि मुझे समझ में नहीं आ रहा हैं कि आखिर हमारे राज्य में हर समय सिर्फ दिन ही क्यों रहता हैं, रात क्यों नहीं आती? ये सुनकर चीची आश्चर्य से इधर उधर देखने लगा। खिड़की के बाहर से झीने परदे की ओट से सूरज की रौशनी छन छन कर अंदर आ रही थी। तभी महामंत्री धीरे से बोला कि महाराज, अब तो रात का पता ही नहीं लगने के कारण सब जाग जाग कर चिड़चिड़े हो गए है। चीची को अपने राजा की हालत देखकर बहुत दुख हुआ और वो राजा के पास पहुंचा। महामंत्री चूहे को देखकर भड़क उठा और वो उसे उठकर फेंकने ही वाला था कि राजा बोला कि रुको और उसने चीची को बड़ी ही सावधानी से अपनी हथेली पर उठा लिया चीची बोला कि महाराज, आपके सपनों का गोला तो हमारी बस्ती में पड़ा हैं, इसलिए यहां रात नहीं हो रही।

6 अंतर खोजें

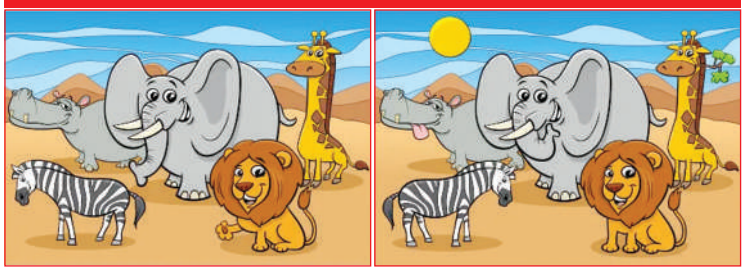

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आज आपक मूड खराब रह सकता है। प्रेमी के साथ संबंध ना बिगाड़ें और अपनी वाणी पर संयम रखें। रोमांटिक पक्ष में सावधानी रखें, पार्टनर के साथ झगड़ा हो सकता है।

वृषभ — आपको पार्टनर की तरफ से उपहार मिल सकता है। पार्टनर के साथ दिन अच्छा रहेगा। आज रोमांस अपने चरम पर पहुंच सकता है।

मिथुन — आज आपका मूड अच्छा रहेगा। आप आज बहुत ही आकर्षक नजर आएंगे। आज पार्टनर के साथ कई बातें होंगी जिसमें दोनों एक दूसरे की बात को समझ पाएंगे।

कर्क — आज अपने गुस्से पर काबू रखें। क्रोध में पार्टनर को अपमानजनक बातें ना कहें और वाणी पर अधिक संयम रखें। सहनशीलता की परीक्षा हो सकती है।

सिंह — प्रेमी की सेहत को लेकर चिंता रहेगी। मानसिक तनाव परेशान कर सकता है। जो लोग किसी को प्रपोज करने का मन बना रहे हैं उनके लिए आज का दिन अनुकूल है।

कन्या — आपको कई अच्छे प्रपोजल मिल सकते हैं। पार्टनर के साथ ज्यादा समय बिताने की कोशिश करेंगे। एक्स्ट्रा अफेयर शुरू होने की संभावना बन रही है।

तुला — आज पार्टनर पर अपना ध्यान केन्द्रित नहीं कर पाएंगे। ऑफिस की काम अधिक रहेगा। आज पार्टनर की कोई बात बुरी लग सकती है। पति-पत्नी के बीच रिश्ते सामान्य रहेंगे।

वृश्चिक — पति-पत्नी के बीच प्यार बढ़ेगा। आज रोमांस कर सकते हैं। तनाव को दूर करने के लिए बाहर घूमने जा सकते हैं। अविवाहित लोगों को शादी के लिए प्रपोजल मिल सकता है।

धनु — पार्टनर के साथ कुछ रोमांटिक पल बिताने के लिए समय निकालें। पार्टनर से मिले हुए संदेश आपको खुशी से भर सकते हैं। पार्टनर से मिला हुआ गिफ्ट प्यार को बढ़ाएगा।

मकर — पति-पत्नी के लिए आज का दिन अच्छा होगा। आज की शाम पार्टनर के साथ बाहर बिताएं। कुछ लोग प्यार को शादी में बदलने का मन बना सकते हैं। किसी दोस्त से संबंध मजबूत हो सकते हैं।

कुम्भ — कोई छोटी बात आपको ज्यादा परेशान कर सकती है। यदि आप किसी के साथ रिलेशनशिप में हैं तो आज आपको खूब रोमांस करने का मौका मिलेगा।

मीन — अविवाहित लोगों को शादी का प्रपोजल मिल सकता है। विवाद होने पर बात को खत्म करने की पहल करें। प्रेमी से अपनी बात मनवाने की कोशिश ना करें।

अमिताभ बच्चन ने बप्पी लहिरी के निधन पर शोक जताते हुए कहा

धीरे-धीरे सब हमें छोड़ देते हैं

म्यूजिक जगत की आन-बान और शान कहे जाने वाले बप्पी लाहिड़ी तो इस दुनिया से रुख्सत हो गए, लेकिन अपने लाखों चाहने वालों को वो खूबसूरत यादों का खजाना दे गए। बॉलीवुड हस्तियों से लेकर फैंस तक, हर कोई बप्पी दा को नम आंखों से याद कर रहा है। अमिताभ बच्चन को भी बप्पी लहिरी के निधन से काफी दुख पहुंचा है, उन्होंने सिंगर संग अपनी बातचीत को याद किया है।

अमिताभ बच्चन ने बप्पी लाहिड़ी के निधन पर शोक जताते हुए कहा कि सिंगर-कंपोजर बप्पी दा ने फिल्मों में जो गाने दिए हैं, उन्हें दशकों बाद भी खुशी से याद किया जाता है। अमिताभ ने अपने ब्लॉग में बताया कि बप्पी लाहिड़ी के निधन से वो काफी शॉक्ड हैं। अमिताभ ने लिखा- बप्पी लहिरी। म्यूजिक डायरेक्टर एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी

शख्स का निधन। शॉक्ड और सरप्राइज्ड हूं। समय के इतनी तेजी से गुजरने की दुखद घटनाओं के दुख में हूं। फिल्मों के उनके गाने मेरे साथ हैं और रहेंगे। मुझे लगता है कि वो हमेशा अमर रहेंगे। वे मॉडर्न जनरेशन के समय में भी उत्साह और आनंद के साथ गाए जाते हैं। अमिताभ ने लिखा कि बप्पी लहिरी में सेंस ऑफ सक्सेस था। उन्होंने बप्पी दा संग लंदन के Heathrow एयरपोर्ट पर मुंबई वापस जाते समय उनके साथ हुई बातचीत को याद किया है। बप्पी लाहिड़ी ने अमिताभ से कहा था- आपकी यह फिल्म बहुत सफल होने वाली है और जो गीत मैंने अभी दिया है, वह दशकों तक याद किया जाएगा।

बॉलीवुड मसाला

अमिताभ ने आगे लिखा- धीरे-धीरे सब हमें छोड़कर चले जाते हैं। महान सिंगर और कंपोजर बप्पी दा को आज मुंबई में आखिरी विदाई दी जा रही है। बप्पी लाहिड़ी के शव को जिस वक्त घर से श्मशान घाट ले जाया जा रहा था तब सिंगर की बेटी बिलख-बिलख को रो रही थीं।

सिंघम 2 की शूटिंग शुरू

अजय देवगन ने अपनी आगामी फिल्म दृश्यम 2 की शूटिंग शुरू कर दी है। सेट से अजय देवगन ने तस्वीर शेयर करते हुए इस बारे में जानकारी दी। साथ ही अजय देवगन ने दृश्यम 2 की कास्ट से भी फैंस को रूबरू करवाया। बता दें दृश्यम साउथ की फिल्म का हिंदी रीमेक है। दृश्यम में भी अजय देवगन नजर आए थे और ये बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ कमाने पर कामयाब हुई थी। पहली फिल्म की सफलता को देखते हुए अजय देवगन ने इसके सीक्वल को बनाने का फैसला लिया। अब मेकर्स ने दृश्यम 2 की पहली झलक सोशल मीडिया पर शेयर कर दी है। अजय देवगन ने दृश्यम 2 के सेट से तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, क्या एक बार फिर विजय

अपनी फैमिली को प्रोटेक्ट कर पाएगा? दृश्यम 2 की शूटिंग शुरू हुई। इस तस्वीर में अजय देवगन के साथ फिल्म की लीड ऐक्ट्रेस श्रिया सरन भी नजर आ रही हैं। ऐक्टर ने इस पोस्ट में बॉलिवुड ऐक्ट्रेस तबू को भी टैग किया है। यानी एक बार फिर तबू दृश्यम का हिस्सा बनने जा रही हैं। 7 साल के बाद अजय देवगन ने दृश्यम के सीक्वल पर काम करना शुरू कर दिया है। पिछली बार वह विजय की भूमिका में नजर आए थे जो अपनी फैमिली को प्रोटेक्ट करते दिखे थे। एक बार फिर वह विजय की भूमिका में नजर आने वाले हैं जिसके बारे में उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में जानकारी दी। साल 2013 में मलयालम में दृश्यम रिलीज हुई जिसमें सुपरस्टार मोहनलाल नजर आए। इस फिल्म को हिंदी में साल 2015 में सेम टाइटल के साथ लाया गया, साउथ के बाद देशभर में इस क्राइम थ्रिलर कहानी को खूब पसंद किया गया था। हिंदी में दृश्यम 2 मलयालम फिल्म के दूसरे सीक्वल का रीमेक होगी।

बॉलीवुड मन की बात

शादी करना और सेटल होने का सक्सेसफुल फॉर्मूला नहीं : तुषार

तुषार कपूर अपने बैचलर डैड होने के फैसले के बाद से काफी चर्चा में हैं। अब तकरीबन 6 साल बाद तुषार ने अपने कुंवारा बाप बनने के सफर को किताब बैचलर डैड का रूप दिया है। तुषार ने न सिर्फ अपनी पर्सनल लाइफ में झांकने का मौका दिया, बल्कि अपने बैचलर बाप होने के तमाम पहलुओं पर भी बात की है। तुषार बेधड़क अंदाज में कहते हैं कि शादी करना लाइफ में सेटल होने का कोई सक्सेफुल फॉर्मूला नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि फिल्ममेकर प्रकाश झा ने उन्हें सरोगेसी से पिता बनने का रास्ता सुझाया था। तुषार कहते हैं कि वह शायद कभी शादी नहीं करेंगे, हालांकि बात भविष्य की है, इसलिए वह पुख्ता तौर पर कुछ भी नहीं कह सकते हैं। हम लोग होम स्कूलिंग कर रहे थे, जिसमें हमें 3 साल के बच्चे से सारा काम करवाना था। मेरे बेटे लक्ष्य को भी इसमें एडजस्ट होने में टाइम लगा। काफी मेहनत की मैंने, लेकिन फिर मजा आने लगा। फिर जब ऑनलाइन स्कूलिंग हुई, तो टीचर ऑनलाइन आने लगी। उसमें मुझे अपना आधा दिन देना पता था। महामारी के पहले भी मैं अपने बेटे के साथ काफी वक्त बिताया करता था। पहले मैं उसे पार्क या प्ले हाउस लेकर जाया करता था, मगर कोरोना में उसे घर पर संभालना पड़ा। अक्सर लोग मुझसे पूछते कि पेंडेमिक में पेरेंटिंग मेरे लिए कैसी रही या पिता होने की जर्नी को मैं कैसे निभा रहा हूं, तो ये सब मैंने अपनी किताब बैचलर डैड में लिखा है। आसान तो बिल्कुल नहीं था। मैं जब यह फैसला ले रहा था, तब मेरे अंदर भी एक झिझक तो थी ही और ये सोच भी कि लोग इसे कैसे लेंगे? मुझे थोड़ा-सा डाउट तो था, मगर फिर मैंने सोचा कि अगर मैं यह चाहता हूं और इसकी जिम्मेदारी लेने को तैयार हूं, तो मुझे ये नहीं सोचना चाहिए कि लोग क्या कहेंगे?

इस किले में मौजूद है ऐसा अद्भुत पत्थर जो लोहे को बना देता है सोना

आपने दुनिया में तमाम ऐसी चीजों के बारे में सुना होगा जो किसी चमत्कार से कम नहीं हैं। आज हम आपको एक ऐसे पत्थर के बारे में बताने जा रहे हैं जो लोहे को भी सोना बना देता है। इस पत्थर का नाम पारस पत्थर है। हालांकि इस पत्थर को खोजने में अबतक हर कोई नाकाम रहा है। लोगों का दावा है कि ये पत्थर एक किले में आज भी मौजूद है। इसीलिए तमाम लोग हर साल इस किले में खुदाई के लिए आते हैं। ऐसा माना जाता है कि पारस पत्थर लोगों की चीज को छूते ही सोना बना देता है। बताया जाता है कि ये पत्थर भोपाल से करीब 50 किलोमीटर दूर रायसेन के किले में आज भी मौजूद है। जो इस किले के राजा के पास था। ऐसा माना जाता है कि इस पत्थर के कई युद्ध भी हुए। एक बार जब इस किले के राजा से युद्ध हुआ तो उन्हें लगा कि अब वह युद्ध हारने वाले हैं तब उन्होंने पासर पत्थर को किले में मौजूद तालाब में फेंक दिया। पासर पत्थर को तालाब में फेंकने की बात राजा ने किसी को नहीं बताई। उसी दौरान युद्ध के बाद राजा की मृत्यु हो गई। उसके बाद धीरे-धीरे ये किला वीरान हो गया। राजा की मृत्यु के बाद इस किलो को कई अन्य राजाओं ने खुदवाया लेकिन किसी को पारस पत्थर नहीं मिला। बता दें कि आज भी लोग यहां रात के समय पारस पत्थर की तलाश में तांत्रिकों को अपने साथ लेकर जाते हैं, लेकिन किसी को यहां कुछ नहीं मिलता। ऐसा माना जाता है कि इस किले में पारस पत्थर की खोज करने वाले लोगों का मानसिक संतुलन खो जाता है। कहा जाता है कि इस पारस पत्थर की रक्षा एक जिन्न करता है। बता दें कि पुरातत्व विभाग को अब तक ऐसा कोई भी सबूत नहीं मिला है। जिससे पता चलता कि पारस पत्थर इसी किले में मौजूद है।

अजब-गजब रोजाना डेड बॉडी को परोसा जाता है गर्मागर्म खाना

यहां डेड बॉडी को घर में साथ रखते हैं लोग

दुनिया में कई तरह की अजीब परंपराएं हैं। ऐसी ही एक अजीबोबरीब परंपरा इंडोनेशिया में भी मानी जाती है। यहां लोग अपनों के मरने के बाद उनकी डेडी बॉडी को घर में ही अपने साथ रखते हैं। यहां तक की उस डेड बॉडी को रोजाना गर्मा गर्म खाना भी परोसा जाता है। यहां मरने के बाद डेड बॉडी का अंतिम संस्कार नहीं किया जाता बल्कि उसे घर में जीवित सदस्यों की तरह रखा जाता है। इस परंपरा को तोराज कहा जाता है। जानते हैं इस अजीबोगरीब परंपरा के बारे में।

डेड बॉडी की सेवा की जाती है

तोराज नाम की यह परंपरा इंडोनेशिया में प्रचलित है। इस परंपरा के अनुसार, घर में जब किसी सदस्य की मौत हो जाती है तो उसका अंतिम संस्कार नहीं किया जाता। घरवाले उस डेडबॉडी को अपने पास घर में ही रखते हैं। यहां लाशों को घर के दूसरे सदस्य की ही तरह रखा जाता है। इतना ही नहीं, हर दिन लाशों को खाना दिया जाता है और उनकी सेवा की जाती है।

लाशों को नहलाया जाता है और कपड़े बदले जाते हैं

यहां लोगों का मानना है कि कोई मरता नहीं सिर्फ वो बीमार होते हैं। इस वजह से उनकी

सेवा की जाती है। जब घर में कोई मेहमान आता है तो वह लाशों से उनका हालचाल पूछता है। डेड बॉडी को घर के कमरे में लिटा दिया जाता है। घर में डेड बॉडी पड़ी रहती है और घरवाले बिल्कुल नॉर्मल लाइफ जी रहे होते हैं। इन लाशों को नहलाया भी जाता है और उसके कपड़े भी बदले जाते हैं।

इस वजह से खराब नहीं होती लाशें

यहां डेड बॉडी काफी समय तक घर में रहती हैं लेकिन वह खराब नहीं होती। दरअसल, डेडबॉडी पर खास तरह की पत्तियां और औषधि रगड़ी जाती है। इसकी वजह से लाश खराब नहीं होती। इस परंपरा को मानने वाले लोग लाशों का अंतिम संस्कार तब करते हैं जब उन्हें लगता है कि मरने वाले का सही समय आ गया है। इस परंपरा में लाशों को ना जलाया जा जाता है ना दफनाया जाता है। गांव के पास मौजूद एक पहा?ी के चट्टानों को काटकर उसमें ही ताबूत में लाशों को रखा जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने फतेहपुर में विपक्ष पर किया हमला, कहा

गरीबों को वोट बैंक समझने वाले परिवारवादियों की उड़ गई है नींद

» वोट बैंक की राजनीति करने वालों की धरी रह जाएगी सियासत

» आत्मनिर्भर भारत का विरोध कर रहा विपक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फतेहपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फतेहपुर में विपक्ष पर जोरदार हमला किया। उन्होंने कहा कि जिन परिवारवादियों ने गरीबों को वोट बैंक बनाकर रखा था, उनकी अब नींद हराम हो गई है। इनको लग रहा है कि उनका वोट बैंक जा रहा है। ये वोट बैंक के चक्कर में देश को तबाह कर रहे हैं। मेरे देशवासियों का भला कीजिए, देश के लोग उदार हैं।

उन्होंने कहा कि घोर परिवारवादियों की सोच परिवार से शुरू होकर परिवार पर ही खत्म हो जाती है। इस छोटी सी सोच से यूपी जैसा बड़ा प्रदेश नहीं चलाया जा सकता है। यही वजह है कि फिर एक बार यूपी कह रहा है, आएगी तो भाजपा ही, आएंगे तो योगी ही। उन्होंने कहा कि परिवारवादियों की समस्या ये है कि अगर देश के गरीब, दलित, पिछड़े, आदिवासियों को साधन मिल गए, शक्ति मिल गई, तो वोट बैंक की राजनीति करने वालों की राजनीति धरी की धरी रह जाएगी। कट-कमीशन का माफिया आत्मनिर्भर अभियान से बर्बाद हो जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज कल ये लोग आत्मनिर्भर भारत अभियान का भी विरोध कर रहे हैं। ये भारत को अब भी दूसरों पर निर्भर रखना चाहते हैं। लेकिन ये देश अब आश्रित रहना नहीं चाहता। हमारे यहां जो चीजें बनती हैं, उसका हमें गौरवगान करना चाहिए। उन्होंने कहा, जब लाल किले से मैंने कहा था कि देश की माताओं-बहनों की पीढ़ा को दूर करने के लिए शौचालय बनाए जाएंगे, तब ये कहते थे कि कैसा प्रधानमंत्री है जो लाल किले से शौचालय की बात कर रहा है। उन्होंने न गरीबी देखी है और न गरीबों की मुसीबत देखी है। पीएम ने कहा कि यूपी के लोगों ने ठान लिया है कि होली आने से पहले 10 मार्च को ही रंगों वाली होली धूमधाम से मनाएंगे। उन्होंने कहा कि टीके से दो लोग डरते हैं, एक कोरोना वायरस और दूसरा ये टीका विरोधी लोग।

भाजपा की गलत नीतियों से जनता दुखी : मायावती

» बसपा सरकार बनी तो बहाल करेंगे पुरानी पेंशन व्यवस्था

» सपा और कांग्रेस पर भी साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बांदा। बसपा प्रमुख मायावती ने गुरुवार को सपा, भाजपा और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने जो काम कराए थे, उनका नाम बदलकर भाजपा वाहवाही लूट रही है। बुंदेलखंड और खासकर चित्रकूटधाम मंडल का जितना विकास हमने किया है, उतना किसी ने नहीं किया। सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय को जरूरी बताकर बोलीं कि इस बार प्रदेश में पूर्ण बहुमत से बसपा सरकार बनेगी।

उन्होंने कहा कि सपा सरकार में गुंडों व माफिया को संरक्षण मिला। लूट-खसोट और दंगा भड़काने का काम किया। देश और प्रदेश में आजादी के बाद कांग्रेस ने वर्षों शासन किया, लेकिन विकास के नाम पर कुछ नहीं किया लेकिन बसपा के अथक प्रयास से डा.भीमराव आंबेडकर को भारत रत्न दिया गया। कांग्रेस दलित व आदिवासियों के वोट के लिए केवल नाटक करती है। कांग्रेस को महिलाओं की भी चिंता नहीं है। भाजपा पर उन्होंने कहा कि यूपी की जनता भाजपा से दुखी है। भाजपा सरकार पूंजीवादी लोगों को बढ़ा रही है। प्रदेश में अपराध बढ़ा है। पिछड़े व मुस्लिम समाज के लोगों के लिए जो योजनाएं चल रही थीं, उनका सही लाभ जरूरतमंदों को नहीं मिला। भाजपा सरकार आरक्षण का कोटा भी पूरा नहीं कर रही है। बेरोजगारी व महंगाई बढ़ी है। सरकार की गलत नीतियों के कारण बुंदेलखंड में बेरोजगारी और पलायन बढ़ा है। बसपा चार बार सरकार में रही, तब लोगों को पलायन नहीं करना पड़ा। डकैतों और गुंडों का सफाया किया। पार्टी ने सर्वसमाज के लोगों को टिकट दिया है। 2007 की तरह प्रदेश में फिर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएंगे। बुंदेलखंड की समस्याएं दूर होंगी। गुंडा व माफिया जेल में होंगे। उन्होंने पुरानी पेंशन बहाली का वादा कर कहा कि अपनी मांग के लिए धरना देने के दौरान बेरोजगारों व कर्मियों पर जो मुकदमे दर्ज कराए गए हैं, उन्हें न्याय मिलेगा।

सो रही पत्नी को ईंट से कूचकर मार डाला

» आरोपी पति गिरफ्तार मानसिक स्थिति नहीं है ठीक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

एटा। एटा के सकीट थाना क्षेत्र में गुरुवार रात को एक व्यक्ति ने ईंट से कूचकर अपनी पत्नी की हत्या कर दी। आरोपी ने वारदात को उस वक्त अंजाम दिया, जब पत्नी घर में सो रही थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। हत्या के पीछे के कारणों की जानकारी की जा रही है।

जानकारी के मुताबिक गांव साडरपुर निवासी ऊदल सिंह ने गुरुवार रात को अपनी 40 वर्षीय पत्नी फूलनश्री की निर्मम हत्या कर दी। परिजनों के मुताबिक ऊदल सिंह की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। थानाध्यक्ष गजराज सिंह ने बताया कि जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर गई थी। आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया गया है।

विपक्ष देख रहा मुंगेरी लाल का हसीन सपना : अनुप्रिया

» प्रत्याशी महेश त्रिवेदी के समर्थन में किया रोड शो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। किदवई नगर विधान सभा क्षेत्र में केंद्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने भाजपा प्रत्याशी महेश त्रिवेदी के समर्थन में रोड शो किया। इस दौरान उन्होंने पंजाब के सीएम चन्नी के बाहरियों को लेकर दिए गए बयान पर कहा कि यह चन्नी नहीं पूरी कांग्रेस की भाषा है। अपना दल ऐसी भाषा का विरोध करता है।

उन्होंने कहा कि कुछ विपक्षी दल अभी से जीत की बातें कर रहे हैं। यह उनके लिए मुंगेरी लाल के हसीन सपनों की तरह हैं। किदवई नगर में संजय वन स्थित हेलीपैड पर उतरीं अनुप्रिया पटेल बर्रा आठ पहुंचीं। वहां से रोड शो शुरू हुआ। वह एक रूफ ओपन कार में चल रही थीं और पीछे एक वाहन पर बने रथ पर भाजपा प्रत्याशी महेश त्रिवेदी और दक्षिण जिलाध्यक्ष डॉ. वीना आर्या थीं। बर्रा आठ सब्जी मंडी से रोड शो के साथ समर्थक नारेबाजी करते हुए चले। बाईपास के समानांतर सड़क पर चलते हुए सभी विश्व बैंक कॉलोनी बर्रा पहुंचे। यहीं रोड शो खत्म हो गया और अनुप्रिया पटेल घाटमपुर रवाना हो गईं। जहां उन्होंने अपना दल प्रत्याशी के समर्थन में चुनाव प्रचार किया। रोड शो के दौरान कार्यकर्ताओं ने पुष्प वर्षा कर अनुप्रिया पटेल का जोरदार स्वागत किया। रोड शो के दौरान भारी भीड़ उमड़ी।

सपा गठबंधन की आंधी में उड़ जाएगी भाजपा : मौर्या

» अखिलेश की तुलना श्रीकृष्ण से की खुद को बताया अर्जुन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

एटा। सपा नेता और प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्या ने अखिलेश यादव की तुलना भगवान श्रीकृष्ण और खुद की अर्जुन से कर दी। कहा कि सपा के अखिलेश श्रीकृष्ण और स्वामी प्रसाद अर्जुन की भूमिका में योगी सरकार का सत्यानाश करने आए हैं। 80 और 20 की बात को बंटवारे की नींव बताया तो गर्मी उतारने वाले बयान पर चुटकी लेते हुए कहा कि हर चरण में जनता इनकी ही गर्मी बारी-बारी से उतार देगी।

भाजपा सरकार पर दलित, पिछड़ा वर्ग के लोगों का आरक्षण छीनने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि केवल योगी और दिनेश शर्मा की जाति वालों को ही नौकरी दी जाएगी। इनकी नजर में केवल इनकी जाति वाले लोग ही हिंदू हैं। ये लोग राष्ट्रवाद का नारा देते हैं और देशद्रोह का काम करते हैं। पूरे प्रदेश में सपा गठबंधन की आंधी चल रही है, जिसमें योगी सरकार का सूपड़ा साफ होने जा रहा है। योगी सरकार से इस्तीफा देकर भाजपा सरकार के ताबूत में मैंने अंतिम कील ठोंक दी है। भाजपा जिसे गोमाता कहती है, उसके लिए चारा, पानी, रहने का ठिकाना तक नहीं है।

नौतनवा सीट पर अमनमणि त्रिपाठी की आसान नहीं राह, बदले समीकरण

» भाजपा-निषाद पार्टी गठबंधन से ऋषि त्रिपाठी ठोक रहे ताल

» सपा के कुंवर कौशल सिंह के चुनाव मैदान में आने से बदलता दिख रहा माहौल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

महराजगंज। उत्तर प्रदेश में विधान सभा चुनाव के छठे चरण में तीन मार्च को मतदान होगा। ऐसे में महराजगंज जिले की नौतनवा विधान सभा सीट से बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ रहे अमनमणि त्रिपाठी के लिए जीत की राह आसान नहीं दिख रही है। जहां एक तरफ अपनी पत्नी की हत्या में आरोपी अमनमणि को सारा सिंह और निधि शुक्ला के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। वहीं दूसरी तरफ भाजपा-निषाद पार्टी गठबंधन से चुनाव लड़ रहे ऋषि त्रिपाठी के चुनाव मैदान में उतरने से इस बार महराजगंज की इस सीट पर कांटे की टक्कर बताई जा रही है जबकि सपा से कुंवर कौशल सिंह मुन्ना के आने से समीकरण बदलता नजर आ रहा है।

अपनी पत्नी सारा सिंह की हत्या के आरोप में अमनमणि को जेल भी हो चुकी है। अमनमणि और सारा की प्रेम कहानी एक समय काफी चर्चित हुई थी। इससे पहले राजधानी लखनऊ में नौतनवा से निर्दलीय विधायक अमनमणि त्रिपाठी के खिलाफ मधुमिता शुक्लाकी बहन निधि शुक्ला व सारा सिंह की मां सीमा सिंह ने मोर्चा खोला दिया था। अमनमणि के पिता अमरमणि त्रिपाठी कवियत्री मधुमिता शुक्ला के हत्याकांड में आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं।

इस विधान सभा में कभी कमल नहीं खिल सका है। पिछली बार भाजपा की प्रचंड लहर में भी यहां से निर्दलीय खड़े हुए बाहुबली नेता और पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी के पुत्र अमन मणि त्रिपाठी जीते थे। महाराजगंज के नौतनवां विधानसभा सीट पर अमनमणि के पिता अमरमणि त्रिपाठी का वर्चस्व रहा है। अमरमणि लखनऊ की मशहूर कवियत्री मधुमिता शुक्ला हत्याकांड में जेल में बंद हैं। उनके जेल जाने के बाद अमनमणि ने उनकी विरासत को संभाला और राजनीति में हाथ बढ़ाया।

अपनी ही सरकार पर वरुण गांधी का वार, बोले

भ्रष्ट व्यवस्था पर मजबूत सरकार से मजबूत कार्रवाई की अपेक्षा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के पीलीभीत से सांसद वरुण गांधी का अपनी ही सरकार पर लगातार हमला जारी है। वरुण गांधी ने बैंक फ्रॉड के मामलों को लेकर सरकार पर हमला करने के साथ ही मजबूत कार्यवाही की अपेक्षा भी की है। वरुण गांधी ने भारत के बड़े उद्योगपति का उदाहरण देते हुए सरकार से कार्यवाही की मांग को लेकर एक ट्वीट किया है।

वरुण गांधी ने लिखा कि विजय माल्या 9000 करोड़, नीरव मोदी 14000 करोड़, ऋ षि अग्रवाल 23000 करोड़। आज जब कर्ज के बोझ तले दब कर देश में रोज लगभग 14 लोग आत्महत्या कर रहे हैं, तब ऐसे धन पशुओं का जीवन वैभव के चरम पर है। इस महाभ्रष्ट व्यवस्था पर एक 'मजबूत सरकार' से 'मजबूत कार्यवाही' की अपेक्षा की जाती है। बीजेपी सांसद इससे पहले भी पत्रों तथा ट्वीट के माध्यम से सरकार को असहज करने वाले सवाल उठाते रहे हैं। पिछले दिनों उन्होंने एक लाख लोगों का गिरवी रखा सोना नीलाम किए जाने संबंधी अखबार में प्रकाशित खबर को ट्वीटर पर अपलोड करके सवाल उठाया था कि हजारों रुपये का कर्ज न चुका पाने वालों पर कार्रवाई हो जाती है और हजारों करोड़ की चोरी करने वाले ऐशो आराम का जीवन जीते हैं।

» लखीमपुर कांड में गृह राज्यमंत्री पर कार्रवाई न होने पर भी उठाए थे सवाल

वरुण गांधी ने कभी बेरोजगारों, कभी किसानों की समस्याएं उठाने के साथ ही रेलवे सहित विभिन्न क्षेत्रों में निजीकरण की नीति पर भी सवाल उठाते रहे हैं। किसानों के प्रति भी वह हमदर्दी जताते रहे हैं। आंदोलन के दौरान मरने वाले किसानों को उन्होंने शहीद बताया था। लखीमपुर खीरी हिंसा के मामले में केंद्रीय गृह राज्यमंत्री पर कार्रवाई न होने पर भी उन्होंने सवाल उठाया था। अब उन्होंने हजारों करोड़ रुपये का बैंकों से कर्ज लेकर डकार जाने वालों का उल्लेख करते हुए भ्रष्ट व्यवस्था की ओर इंगित करने के साथ ही सरकार से प्रभावी कार्रवाई की अपेक्षा की है।

भाजपा का शासन केवल विज्ञापनों में, विकास कहीं नहीं: प्रियंका गांधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रियंका गांधी वाड्रा ने पंजाब के पठानकोट में कांग्रेस के चुनावी प्रचार को धार दिया। इस दौरान कांग्रेस महासचिव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बड़े मियां और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को छोटे मियां नाम दिया, और कहा कि उनका शासन केवल विज्ञापनों में दिखाई देता है। उन्होंने भाजपा और आम आदमी पार्टी परधर्म और भावनाओं का इस्तेमाल करने का भी आरोप लगाया।

प्रियंका ने कहा मोदीजी का शासन केवल विज्ञापनों में है। देश में शासन नहीं है। शासन होता तो रोजगार होता और महंगाई नहीं होती। उन्होंने कहा कि अगर शासन होता तो रोजगार पैदा करने वाले सार्वजनिक उपक्रम उनके दोस्तों को नहीं बेचे जाते। देश में गरीब लोगों, छोटे व्यापारियों को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। प्रियंका गांधी ने मुस्कराते हुए कहा कि आपने सुना होगा बड़े मियां तो बड़े मियां, छोटे मियां सुभानल्लाह? बड़े मियां मोदी हैं और छोटे मियां केजरीवाल हैं। मोदी ने सत्ता में आने के लिए गुजरात मॉडल का प्रदर्शन किया और बाद में, लोगों को उस मॉडल की वास्तविकता का एहसास हुआ, जबकि केजरीवाल दिल्ली मॉडल के बारे में बात करते हैं और सभी ने देखा कि उनकी सरकार कैसे दूसरी लहर के दौरान विफल रही।

1200 करोड़ खाद घोटाले की जांच सीबीआई को

» हाईकोर्ट ने प्रगति रिपोर्ट पेश करने का दिया निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने फतेहगढ़, फर्रुखाबाद में 1200 करोड़ रुपए खाद घोटाले की जांच सीबीआई को सौंप दी है। साथ ही कोर्ट ने सीबीआई को 21 मार्च को जांच की प्रगति रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। याची का कहना है कि मामले की जांच कर रही आर्थिक अपराध शाखा ने बड़े अधिकारियों को छोड़कर याची को बलि का बकरा बनाया है।

घोटाले में लिप्त बड़े सरकारी अधिकारियों व स्कैम करने वाली कंपनी मदन माधव फर्टिलाइजर एवं केमिकल्स को बरी कर दिया और 20 नामजद आरोपियों में से केवल पाच के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है। घोटाला वर्ष 1989 से 2000 का है। याची ने स्वयं को निर्दोष करार देते हुए जारी सम्मन व चार्जशीट रद्द करने की मांग की गई है। यह आदेश न्यायमूर्ति गौतम चौधरी ने अविनाश कुमार मोदी की याचिका पर दिया है। याचिका में कहा गया है कि मेसर्स उज्जवल ट्रेडिंग कंपनी ने मेसर्स मदन माधव फर्टिलाइजर एवं केमिकल्स कंपनी फर्रुखाबाद को 1200 करोड़ की खाद आपूर्ति की। साथ ही किसानों को खाद नहीं दी गई तथा मदन माधव फर्टिलाइजर एवं केमिकल्स कंपनी ने सरकार से 4818243.04 रुपये की सब्सिडी हड़प ली।

2017 से बेहतर प्रदर्शन दोहराएंगे इस चुनाव में: केशव मौर्य

» डिप्टी सीएम ने मोदी-योगी सरकार का किया बखान, विपक्ष को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक बार फिर भाजपा सरकार के लिए ताबड़तोड़ चुनावी जनसभाएं कर रहे उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का स्पष्ट तौर पर कहना है कि भाजपा में ही पिछड़ों का सम्मान है। हिन्दू ही नहीं, मुस्लिम समाज का भी मोदी-योगी की सरकार में पूरा ख्याल रखा गया जबकि सपा व विपक्षी पार्टियों ने इन्हें सिर्फ वोट बैंक समझा।

अपनी ओर इशारा करते हुए केशव कहते हैं कि मेरे जैसे पिछड़े का उप मुख्यमंत्री बनना, भाजपा में पिछड़ों के सम्मान का जीता-जागता उदाहरण है। सत्ता में भाजपा की वापसी के प्रति आश्वस्तमौर्य कहते हैं कि हम तो सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मंत्र के साथ आगे बढ़ रहे हैं। डबल इंजन सरकार के काम से जिस तरह जनता उत्साहित है उससे हमारा प्रदर्शन वर्ष 2017 से भी बेहतर रहने वाला है। उन्होंने कहा कि चुनौतियां भाजपा के सामने नहीं बल्कि विपक्ष के लिए हैं। मुझे भरोसा है कि विपक्ष का दावा फिर फेल होगा। लोकसभा चुनाव में भी विपक्ष ने ऐसा ही दावा किया था लेकिन सपा-बसपा गठबंधन के बावजूद हमने वर्ष 2014 जैसा प्रदर्शन किया। इस चुनाव में भी वर्ष 2017 से बेहतर प्रदर्शन दोहराएंगे। केशव कहते हैं कि स्वामी प्रसाद मौर्य को ही देखिए जिनको सीट तक बदलनी पड़ी है। हमारी सरकार ने वंचितों के लिए काम करते हुए कानून व्यवस्था बनाए रखी। ऐसे में इनका हम पर भरोसा बढ़ा है जिसका फायदा हमें मिलेगा।

बच्चों को नून-रोटी खिलाने वाले बीएसए का नया कारनामा

निर्वाचन आयोग के स्थानांतरित बीईओ को रिलीव करने के आदेश के बाद भी नहीं किया कार्यमुक्त

अमित कुमार श्रीवास्तव

प्रयागराज। मिर्जापुर जिले में एक सरकारी स्कूल में बच्चों को मिड डे मील खाने में नून-रोटी खिलाने वाले बीएसए का एक और कारनामा सामने आया है। निर्वाचन आयोग ने एक लिखित आदेश जारी किया कि खण्ड शिक्षा अधिकारी जो लंबे समय से एक ही जिले में जमे हुए हैं और उनको स्थानांतरित किया जा चुका है, ऐसे सभी अधिकारियों को रिलीव करते हुए निर्वाचन आयोग को सूचित करें, लेकिन प्रयागराज जिले के बीएसए ने 12 में से मात्र 4 खण्ड शिक्षा अधिकारियों को रिलिव किया है।

8 खण्ड शिक्षा अधिकारी को रिलीव नहीं किया गया है जो लंबे समय से जिले में तैनात है, जिसके कारण निष्पक्ष चुनाव होता नजर नहीं आ रहा है।

प्रयागराज बीएसए प्रवीण कुमार तिवारी

उत्तर प्रदेश के सबसे चर्चित बीएसए प्रवीण कुमार तिवारी, जिन्होंने मिर्जापुर जिले में तैनाती के दौरान एक सरकारी स्कूल में बच्चों को नून-रोटी खिलाने का मामला आया था, जिससे भाजपा सरकार की काफी किरकिरी हुई थी। इसके चलते बीएसए प्रवीण को शासन ने सस्पेंड कर दिया गया था लेकिन प्रवीण तिवारी सेटिंग कर बहाल हो गए और मलाईदार जिलों में तैनाती मिल गईं। बता दें कि प्रयागराज से स्थानांतरित हुए 12 बीईओ में से मात्र 4 बीईओ वरुण मिश्रा, ममता सरकार, बलीराम व रमाकांत को रिलीव किया गया, जिनका कार्यकाल 5 साल से कम था। वहीं 8 बीईओ ऐसे है जो लंबे समय से प्रयागराज जिले में तैनात है जैसे ज्योति शुक्ला 15 वर्ष से अधिक समय से जिले में तैनात है, संतोष कुमार श्रीवास्तव, संजय कुमार सिंह, मनोज कुमार, अनिल कुमार सिंह, नरेन्द सिंह, अतुल दत्त तिवारी व एक अन्य बीईओ 7 वर्ष से अधिक समय से जिले में तैनात है।

लंबे समय से तैनात इन सभी अधिकारियों के चलते निष्पक्ष चुनाव होता नजर नहीं आ रहा है। वहीं इस मामले बीएसए प्रवीण तिवारी का कहना है कि खण्ड शिक्षा अधिकारियों का स्थानान्तरण किया गया है लेकिन वो अभी तक प्रयागराज में ज्वॉइन नहीं किए है। वहीं जब उनसे पूछा गया कि उनको क्यूं नहीं रिलीव किया गया तो उन्होंने इस बात पर जवाब देने से मना कर दिया।

यूपी के बचे हुए चरणों में चुनाव प्रचार करेंगे उत्तराखंड के भाजपा नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव से निपटने के बाद अब भाजपा नेता चुनाव प्रचार के लिए उत्तर प्रदेश की राह पकड़ेंगे। इस बीच मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी दिल्ली पहुंच गए। जल्द ही वह बतौर स्टार प्रचारक उप्र के दौरे पर जा सकते हैं। इधर, प्रदेश भाजपा ने उप्र में चुनाव ड्यूटी के मद्देनजर 80 कार्यकर्ताओं की सूची केंद्रीय नेतृत्व को भेजी है। कार्यक्रम तय होने के बाद यह टीम प्रदेश महामंत्री संगठन अजेय और प्रदेश महामंत्री कुलदीप कुमार के नेतृत्व में उप्र जाएगी। मुख्यमंत्री धामी दिल्ली में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के निजी कार्यक्रम में शामिल होने भी पहुंचे हैं। माना जा रहा है कि इस दौरान उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को विधानसभा चुनाव के संबंध में फीडबैक दिया। एक-दो दिन बाद वह उत्तर प्रदेश के दौरे पर जा सकते हैं। इधर, उत्तराखंड भाजपा भी उप्र में चुनाव प्रचार के लिए पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं को भेजने की तैयारी में जुट गई है। इन्हें उन स्थानों पर भेजा जाएगा, जहां उत्तराखंड मूल के व्यक्तियों की संख्या अधिक है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।